

## वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट 2024

### प्रलिस के लयि:

[वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट](#), [वशिव बैंक](#), [सकल घरेलू उत्पाद](#), [दक्षणि एशियाई कषेत्र](#), [वैश्विक मुद्रास्फीति](#), [नयिम-आधारति बहुपक्षीय व्यापार परणाली](#), [नमिन-कारबन विकास लक्ष्य](#)

### मेन्स के लयि:

वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट 2024 के मुख्य नषिकर्ष, रपिपोर्ट द्वारा उजागर कयि गए संबध जोखमि और प्रमुख नीतगित चुनौतयिँ ।

[स्रोत: बज़िनेस स्टैण्डर्ड](#)

### चर्चा में कयों?

[वशिव बैंक](#) द्वारा हाल ही में जारी [वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट \(Global Economic Prospects Report\)](#) के अनुसार, वतित वर्ष 2025 में 66% की अनुमानति सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर के साथ भारत वशिव में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा ।

### रपिपोर्ट के मुख्य नषिकर्ष कय हैं?

#### ■ वैश्विक:

- **विकास का दृष्टिकोण (Growth Outlook):** रपिपोर्ट के अनुसार, तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है ।
  - वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि अब वर्ष 2024-25 के लयि 2.6% रहने का अनुमान है । वतित वर्ष 2026 और वतित वर्ष 2027 के लयि, [व्यापार और नविश](#) में मामूली वृद्धि के बीच वैश्विक विकास 2.7% रहने की उम्मीद है ।
- **वैश्विक मुद्रास्फीति का अनुमान:** वशिव बैंक का अनुमान है कि इस वर्ष [वैश्विक मुद्रास्फीति](#) में धीमी गति से कमी आएगी, जो औसतन 3.5% रहेगी ।
  - उन्नत और उभरती [बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं](#) के केंद्रीय बैंकों से अपेक्षा की जाती है कविे जारी मुद्रास्फीति दबावों के कारण [मौद्रिक नीति](#) को आसान बनाने के प्रतिसतरक रहें ।
- **वैश्विक विकास की चुनौतयिँ:** नकिट भवषिय में कुछ सुधार के बावजूद [भू-राजनीतिक तनाव](#), [व्यापार वखिंडन](#), [उच्च ब्याज दरें](#) और [जलवायु संबंधी आपदाओं](#) जैसे कारकों के कारण वैश्विक परदृश्य मंद बना हुआ है ।
  - इसमें व्यापार की सुरक्षा, [हरति और डिजिटल बदलावों](#) को समर्थन, ऋण राहत प्रदान करने और [खाद्य सुरक्षा](#) बढ़ाने के लयि वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दयिा गया है ।

#### ■ दक्षणि एशियाई कषेत्र (SAR):

- **विकास परदृश्य:** दक्षणि एशिया कषेत्र में [सकल घरेलू उत्पाद](#) की वृद्धि दर वर्ष 2023 के 6.6% से घटकर वर्ष 2024 में 6.2% हो जाने का अनुमान है, इसका मुख्य कारण हाल के वर्षों में भारत की उच्च विकास दर में आई कमी है ।
  - [बांग्लादेश](#) जैसे अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में भी धीमी गति से सुदृढ़ वृद्धि होने की उम्मीद है ।
  - [पाकस्तान और श्रीलंका](#) की आर्थिक गतिविधियों के [सुदृढ़ीकरण](#) की उम्मीद है ।
- **नरिधनता में कमी:** रपिपोर्ट के अनुसार दक्षणि एशियाई कषेत्र में प्रतियक्ति आय वृद्धि वर्ष 2023 में 5.6% थी जो घटकस्वर्ष 2024-25 में 5.1% होने की उम्मीद है और उसके पश्चात् वर्ष 2026 में यह 5.2% हो जाएगी ।
  - यह धीमी गति, [नज़ि उपभोग/खपत](#) में अपेक्षा से कम वृद्धि और राजकोषीय समायोजन के कारण है जो घरेलू आय को कम कर सकता है ।

#### ■ भारत:

- **भारत की आर्थिक प्रगत:** दक्षणि एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने कषेत्रीय विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दयिा है ।
  - [औद्योगिक और सेवा कषेत्रों](#) के योगदान से वतित वर्ष 2024 के लयि देश की विकास दर 8.2% रहने का अनुमान है, जसिने मानसून व्यधानों के कारण कृषि उत्पादन में आई मंदी की भरपाई की ।
- **राजकोषीय और व्यापार संतुलन:** भारत में, व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के कारण सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय

घाटे में कमी आने का अनुमान है।

- वर्षीय रूप से भारत में व्यापार घाटा कम हो रहा है, जिससे [दक्षिण एशियाई कषेत्र](#) में समग्र आर्थिक स्थिरता में योगदान मिला।

## MOSPI और RBI द्वारा भारत का GDP पूर्वानुमान

- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) के आँकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 की GDP वृद्धि दर अनंतिम रूप से 8.2% है, जबकि वित्त वर्ष 23 में वृद्धि दर 7.6% थी।
- भारतीय रिज़र्व बैंक ने [भारत के वित्त वर्ष 2025 के वास्तविक GDP पूर्वानुमान](#) को बढ़ाकर 7.20% कर दिया है।

## वर्ल्ड बैंक

- परिचय:**
  - इसे वर्ष 1944 में IMF के साथ मिलकर पुनर्निर्माण और विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय बैंक (IBRD) के रूप में स्थापित किया गया था। बाद में IBRD विश्व बैंक बन गया।
  - विश्व बैंक समूह पाँच संस्थानों की एक अनूठी वैश्विक साझेदारी है जो विकासशील देशों में गरीबी को कम करने और साझा समृद्धिका निर्माण करने वाले स्थायी समाधानों के लिये कार्य कर रहा है।
  - विश्व बैंक [संयुक्त राष्ट्र](#) की विशिष्ट एजेंसियों में से एक है।
- सदस्य:**
  - इसके 189 सदस्य देश हैं। भारत भी इसका सदस्य है।
- प्रमुख रिपोर्ट:**
  - [मानव पूंजी सूचकांक](#)
  - [वरलड डेवलपमेंट रिपोर्ट](#)
  - [वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट](#) (प्रायः वर्ष में दो बार प्रकाशित)
- पाँच विकास संस्थान:**
  - अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD)
  - अंतरराष्ट्रीय विकास संघ (IDA)
  - अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)
  - बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी (MIGA)
  - नविश विवादों के निपटान के लिये अंतरराष्ट्रीय केंद्र (ICSID)
    - भारत ICSID का सदस्य नहीं है।

## रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े जोखिम क्या हैं?

- सशस्त्र संघर्षों एवं भू-राजनीतिक तनावों का प्रसार:** रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रों के बीच [सैन्य संघर्ष](#) के साथ-साथ तनाव का स्तर भी बढ़ रहा है।
  - परिणामस्वरूप जीवन की हानि, बुनियादी ढाँचे का विनाश एवं आर्थिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। साथ ही [मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्षों](#) से तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है और कीमतों में वृद्धि हो सकती है।
- इसके अतिरिक्त व्यापार खिंडन एवं व्यापार नीति अनिश्चितता:** इस दस्तावेज़ के अनुसार, टैरिफ एवं कोटा जैसी [व्यापार बाधाएँ](#) उन देशों द्वारा एक-दूसरे पर लगाई जाती हैं जो आर्थिक रूप से एक-दूसरे से भिन्न हैं।
  - हाल के वर्षों में [अमेरिका तथा चीन](#) के बीच व्यापार युद्ध ने [आपूर्ति शृंखलाओं](#) को बाधित कर दिया है और साथ ही दोनों देशों में उपभोक्ताओं के लिये कीमतें उच्च हो गई हैं।
- उच्च ब्याज दरें एवं न्यूनतम जोखिम क्षमता:** लगातार [उच्च मुद्रास्फीति](#) उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है और साथ ही उनके व्यय करने की क्षमता को भी हतोत्साहित करती है। तथापि उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिये आवश्यक हैं, जो धीमी आर्थिक वृद्धि के साथ ही नौकरियों में कमी का कारण बन सकती हैं।
  - जब नविशकों को [अर्थव्यवस्था की दशा के बारे में संदेह होता है तब उनमें जोखिम लेने की प्रवृत्ति कम](#) हो जाती है। परिणामस्वरूप नविश में गिरावट हो सकती है और शेयर बाज़ार में अस्थिरता भी उत्पन्न हो सकती है।
- चीन में अपेक्षा कम वृद्धि: चीन, विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, इसलिये वहाँ मंदी का वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। यह रियल एस्टेट बाज़ार संकट या आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता जैसे कारकों के कारण हो सकता है।**
  - चीन में तीव्र मंदी से अन्य देशों द्वारा निर्यात किये जाने वाले [कच्चे माल के साथ-साथ अन्य वस्तुओं की मांग](#) में कमी हो जाती है। इससे उन देशों जो चीन के साथ व्यापार पर बहुत अधिक निर्भर हैं, में नौकरियों का सृजन कम हो सकता है और साथ ही आर्थिक कठिनाईयें उत्पन्न हो सकती हैं।
- प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता तथा उनका विकृत प्रभाव:** [जलवायु परिवर्तन](#) के कारण विश्व भर में [बाढ़, सूखा और तूफान](#) जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता तथा प्रबलता बढ़ रही है।
  - ये आपदाएँ बुनियादी ढाँचे, घरों और व्यवसायों को [व्यापक क्षति](#) पहुँचाती हैं।
  - ये कृषि उत्पादन को बाधित करती हैं, जिससे खाद्यान्न की कमी और कीमतों में वृद्धि होती है। आपदाओं के बाद पुनर्निर्माण से सरकारी

वर्तित अतरकित्त भार पडता है ।

## उभरते बाज़ार एवं वकिसशील अर्थव्यवस्था में प्रमुख नीतगित चुनौतियों क्या हैं?

- ऋण में वृद्धि: कई उभरते बाज़ार और वकिसशील अर्थव्यवस्थाएँ उच्च ऋण बोझ, कृषीण वकिस संभावनाओं और नकारात्मक जोखमों से प्रभावति रही हैं ।
  - ऋण संकट से नपिटने और आर्थिक असथरिता को रोकने के लयि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्त्वपूर्ण है । ऋण पुनर्गठन के लयि जी-20 कॉमन फरेमवर्क को अपर्याप्त माना जा रहा है और इसमें सुधार की आवश्यकता है ।
- जलवायु परविरतन: वर्तमान में वैश्विक स्तर की जलवायु प्रतबिद्धताएँ वर्ष 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की दशिया में कम हैं । नमिन कार्बन वकिस लक्ष्यों को प्राप्त करने के लयि EMDEs को प्रतविरष सकल घरेलू उत्पाद का 1-10% नविश करने की आवश्यकता है ।
  - जलवायु कार्रवाई हेतु सार्वजनिक संसाधनों को जुटाने के साथ कार्बन मूल्य निर्धारण तथा नजी नविश को आकर्षति करना महत्त्वपूर्ण है ।
- डिजिटल डविाइड: वैश्विक स्तर पर इंटरनेट की पहुँच से दूर लगभग एक-तहिाई आवादी EMDEs से संबधति है ।
  - इस क्रम में सरकारें डिजिटल बुनयिादी ढाँचे में नजी नविश को प्रोत्साहति कर भूमिका नभिया सकती हैं ।
- व्यापार वखिंडन: बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव एवं संरक्षणवादी उपायों के कारण व्यापार में आने वाले अवरोध से EMDEs को नुकसान पहुँचता है ।
  - इस क्रम में नयिम-आधारति बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को लागू करना तथा व्यापार समझौतों का वसितार करना महत्त्वपूर्ण है ।

## नषिकर्ष:

वशिव बैंक की नवीनतम रपौरट में तार्ककि आशावादी दृष्टकिण प्रस्तुत कयिा गया है । वर्ष 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थरिता के संकेत मलि रहे हैं लेकनि महामारी से पहले के स्तरों की तुलना में वकिस धीमा बना हुआ है । मौजूदा चुनौतियों से नपिटने के साथ सभी के लभियारणीय आर्थिक वकिस हासलि करने के क्रम में नरितर वैश्विक सहयोग तथा प्रभावी नीतगित उपाय महत्त्वपूर्ण हैं ।

Q. वैश्विक आर्थिक संभावना रपौरट, 2024 के प्रमुख नषिकर्षों का उल्लेख कीजयि । इसके साथ ही इस रपौरट में उल्लखित संबधति जोखमों एवं प्रमुख नीतगित चुनौतियों पर चर्चा कीजयि ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. 'व्यापार करने की सुवधि सूचकांक' में भारत की रँकगि समाचारों में कभी-कभी दखिती है । नमिनलखिति में से कसिने इस रँकगि की घोषणा की है? (2016)

- आर्थिक सहयोग और वकिस संगठन (OECD)
- वशिव आर्थिक मंच
- वशिव बैंक
- वशिव व्यापार संगठन (WTO)

उत्तर: (c)

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में दखिने वाले 'आई.एफ.सी. मसाला बॉण्ड (IFC Masala Bonds)' के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

- अंतर्राष्ट्रीय वतित नगिम (इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन), जो इन बॉण्ड को प्रस्तावति करता है, वशिव बैंक की एक शाखा है ।
- ये रुपया-अंकति मूल्य वाले बॉण्ड हैं और सार्वजनिक तथा नजी कषेत्रक के ऋण वतितियन के स्रोत हैं ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

